आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया

मनस्वी वाणी संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ रोड पर स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व तंबाकू दिवस निषेध दिवस मनाया गया। वाइस चेयरमैन अर्पित चडढा ने ऑनलाइन सभा को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि तंबाकू चबाने और धूम्रपान करने वाले रोगियों की उच्च मृत्यू दर को देखते हुए इस आदत को नियंत्रित करने के लिए कुछ कदम उठाना बहुत जरूरी है। दंत चिकित्सक को इस क्षेत्र में उन्नति के साथ कदम मिलाकर चलना चाहिये। उत्तर प्रदेश के गुटखा बेल्ट होने के कारण मरीजों को यह आदत छोड? के लिए परामर्श की आवश्यकता है।इस अवसर पर संस्था की डेन्टल ओपीडी मे आये मरीजों को तंबाकू के सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। संस्थान द्वारा सोशल मीडिया अभियान का आयोजन तंबाकू के उपयोग के हानिकारक और घातक प्रभावों और सेकेंड हैंड स्मोक एक्सपोजर के बारे में जागरूकता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

आईटीएस में विश्व तंबाकू निषेध दिवस का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेन्टल कॉलिज, मुरादनगर गाजियाबाद मे दिनांक 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। जिसका विषय तंबाकू छोड़ने के लिए प्रतिबद्ध था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस की शुरूआत की थी, इसके बाद पहली बार 7 अप्रैल 1988 को डब्ल्यूएचओ की वर्षगांठ पर इसे मनाया गया और फिर हर साल 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है।तंबाकू एक ऐसी चीज है जिसका प्रयोग आप जब शुरू करेंगे तो मौत को गले लगायेगें। डब्ल्यूएचओ के अनुसार तम्बाकू के उपयोग के कारण हर साल 80 लाख मौत होती है, जो सभी मौतों का एक प्रतिशत से अधिक है। इनमें से 165000 मौतें बच्चों की हुई है। इस साल जारी की गयी रिपोर्ट से पता चला है कि धूम्रपान न करने वालों की तुलना में धूम्रपान करने वालों में कोविड-19 जैसी घातक बीमारी होने की संभावना अधिक थी।

उत्तर प्रदेश शीर्ष के 5 राज्यों में से एक है जहां तम्बाकू का सेवन छोटी उम्र (18 वर्ष से भी कम आयु) से ही शुरू कर देते है। हाल ही में भारत सरकार ने ऑडियो-विजुअल एड्स, हेल्थ गाइड, सिनेमाघरों मे विज्ञापन और मरीजों की कहानी के माध्यम से तंम्बाकू से सम्बन्धित मृत्यू दर और इससे उत्पन्न होने वाली बीमारियों को रोकने में विभिन्न कदम उठाये है।

विश्व तंम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर आईटीएस ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि तंबाकू चबाने और धूम्रपान करने वाले रोगियों की उच्च मृत्यू दर को देखते हुए तथा इस आदत को नियंत्रित करने के लिए कुछ कदम उठाना बहुत महत्वपूर्ण है तथा दंत चिकित्सक को इस क्षेत्र में कदम मिलाकर चलना चाहिऐ और आईटीएस डेन्टल कॉलेज ज्ञानवर्धक का आयोजन करता रहेगा।संस्थान में तंबाकू से संक्रमित रोगियों के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित तंम्बाकू समाप्ति क्लीनिक की सुविधा उपलब्ध हैं। यह क्लीनिक तंबाकू से संबंधित मृत्यू दर और इसमे होने वाली बीमारियों को कम करने के लिए स्वास्थ्य हस्तक्षेप का एक प्रभावी तरीका प्रदान करता है। उत्तर प्रदेश के गुटखा बेल्ट होने के कारण मरीजों को खतरनाक आदत छोड़ने की जरूरत है, जिससे तंम्बाकू समाप्ति क्लीनिक एक पूर्ण आवष्यकता बन जाये। इस अत्याधुनिक क्लीनिक में इंट्राओरल कैमरे, कार्बन मोनोऑक्साइड मॉनिटर के साथ-साथ निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी की सुविधा के द्वारा रोगियों को सरल और आसान तरीकों से इस आदत को छोड़ने के लिए प्रेरित किया जाता है।इस अवसर पर संस्था की डेन्टल ओपीडी मे आये मरीजों को तंबाकू के सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। संस्थान द्वारा सोशल मीडिया अभियान का आयोजन तंबाकू के हानिकारक और घातक प्रभावों और सेकेंड हैंड स्मोक एक्सपोजर के बारे में जागरूकता पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस कार्यक्रम मे आये प्रसिद्ध प्रवक्ता डॉ हंसा कुंडु, राज्य सलाहकार, तंबाकू नियंत्रण केन्द्र, दिल्ली, थी। उन्होंने इस कार्यक्रम में तंबाकू तथा इससे संबंधित घावों, इसके शुरूआती निदान, रोकथाम और प्रबंधन प्रोटोकॉल के दुष्प्रभावों के विषय में विस्तार से चर्चा की ताकि रोगियों को सर्वोत्तम उपचार और देखभाल प्रदान की जा सके। अंत में डॉ हंसा ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए ग्रुप के वेयरमैन, डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन,अर्पित चड्ढा को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी ने आईटीएस द एजूकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के प्रति अपना आभार प्रकट किया।

आईटीएस सेंटर फॉर डेन्टल स्टडीज एण्ड रिसर्च ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस का किया आयोजन

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र में दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस डेन्टल कॉलिज मे विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। जिसका विषय - तंबाकू छोड़ने के लिए प्रतिबद्ध था। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने ऑनलाइन सभा को सम्बोधित किया और कहा कि तंबाकू चबाने और धूम्रपान करने वाले रोगियों की उच्च मृत्यु दर को देखते हुए तथा इस आदत को नियंत्रित करने के लिए कुछ कदम उठाना बहुत महत्वपूर्ण है तथा दंत चिकित्सक को इस क्षेत्र में उन्नति के साथ कदम मिलाकर चलना चाहिऐ और

आईटीएस डेन्टल कॉलेज इसी उद्देष्य की पूर्ति के लिये इस तरह के ज्ञानवर्धक कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा। संस्था की डेन्टल ओपीडी मे आये मरीजों को तंबाकू के सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। संस्थान द्वारा सोशल मीडिया अभियान का आयोजन तंबाकू के उपयोग के हानिकारक और घातक प्रभावों और सेकेंड हैंड स्मोक एक्सपोजर के बारे में जागरूकता पर ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यक्रम प्रवक्ता डॉ. हंसा कुंडू, राज्य सलाहकार, तंबाकू नियंत्रण केन्द्र, दिल्ली, रही। कार्यक्रम में तंबाकू तथा इससे संबंधित घावों, इसके शुरूआती निदान, रोकथाम और प्रबंधन प्रोटोकॉल के दुष्प्रभावों के विषय में विस्तार से चर्चा की। डॉ. हंसा ने ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

आईटीएस सेंटर फॉर डेटल स्टडीज एंड रिसर्च

मरीजों को तंबाकू के दुष्प्रभावों से कराया गया अवगत

दुष्प्रभाव

- विश्व तंबाकू निषेध दिवस का आयोजन
- तंबाकू के उपयोग के कारण हर साल 80 लाख मौत होती है

अथाह संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज मुरादनगर सोमवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। जिसका विषय - तंबाकू छोड़ने के लिए प्रतिबद्ध करना था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस की शुरूआत की थी, इसके बाद पहली बार सात अप्रैल 1988 को डब्ल्यूएचओ की वर्षगांठ पर इसे मनाया गया और फिर हर साल 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है।

तंबाकू एक ऐसी चीज है जिसका प्रयोग आप जब शुरू करेंगे तो मौत को गले लगायेंगें। विश्वस्तर पर डब्ल्यूएचओ के अनुसार तंबाकू के उपयोग के कारण हर साल 80 लाख मौत होती है, जो सभी मौतों का एक प्रतिशत से अधिक है। इनमें से 165000 मौतें बच्चों की हुई है। इस साल जारी की गयी रिपोर्ट से पता चला है कि धूम्रपान न करने वालों की तुलना में धूम्रपान करने वालों में कोविड-19 जैसी घातक बीमारी होने की संभावना अधिक थी।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने ऑनलाइन सभा को संबोधित किया और कहा कि तंबाकू चबाने और धूम्रपान करने वाले रोगियों की उच्च मृत्यु दर को देखते हुए तथा इस आदत को नियंत्रित करने के लिए कुछ कदम उठाना बहुत महत्वपूर्ण है तथा दंत चिकित्सक को इस क्षेत्र में उन्नति के साथ कदम मिलाकर चलना चाहिऐ और आईटीएस डेंटल कॉलेज इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिये इस तरह के ज्ञानवर्धक कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा। संस्थान में तंबाकू से संक्रमित रोगियों के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित तंबाकू समाप्ति क्लीनिक की सुविधा उपलब्ध हैं। यह क्लीनिक तंबाकू से संबंधित मृत्यु दर और इससे होने वाली बीमारियों को कम करने के लिए स्वास्थ्य हस्तक्षेप का एक प्रभावी तरीका प्रदान करता है। उत्तर प्रदेश के गुटखा बेल्ट होने के कारण मरीजों को खतरनाक आदत छोड़ने के लिए परामर्श की आवश्यकता है। जिससे तंम्बाकू समाप्ति क्लीनिक एक पूर्ण आवष्यकता बन जाये। इस अत्याधुनिक क्लीनिक में इंट्राओरल कैमरे, कार्बन मोनोऑक्साइड मॉनिटर के साथ-साथ निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी की सुविधा के द्वारा रोगियों को सरल और आसान तरीकों से इस आदत को छोड़ने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस अवसर पर संस्था की डेंटल ओपीडी मे आये मरीजों को तंबाकू के सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम मे आये प्रसिद्ध प्रवक्ता डा. हंसा कुंडू, राज्य सलाहकार तंबाकू नियंत्रण केंद्र दिल्ली थी। जिन्होंने तंबाकू नियंत्रण पर विभिन्न व्याख्यान और कार्यशालाएं भी आयोजित की है।

इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डा. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

आज का विचार

वैज्ञानिक तरीके ग्रीन बेल्ट में शिफ्ट किया... 02

चक्रवाती तूफानों की संरचना और कारण... 04

सर्राफा/बाजार
₹ 48,805 | 71,872 ₹

सेंसेक्स
51937.44 | 15582.80

www.dainikhint.com
@DainikHint

दैनिक हिन्ट

आईटीएस डेन्टल कॉलिज में मनाया गया विश्व तंबाकू निषेध दिवस

मुरादनगर। आईटीएस डेन्टल कॉलिज में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। इसमें ' तंबाकू छोड़ने के लिए प्रतिबद्ध था' विषय पर विचार किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस की शुरूआत की थी, इसके बाद पहली बार 7 अप्रैल 1988 को डब्ल्यएचओ की वर्षगांठ पर इसे मनाया गया और फिर हर साल 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। तंबाकू एक ऐसी चीज है जिसका प्रयोग आप जब शुरू करेंगे तो मौत को गले लगाएंगे। विश्वस्त पर डब्ल्यूएचओ के अनुसार तंम्बाकू के उपयोग के कारण हर साल 80 लाख म होती है, जो सभी मौतों का एक प्रतिषत से अधिक है। इनमें से 165000 मौतें बच की हुई है। इस साल जारी की गयी रिपोर्ट से पता चला है कि धूम्रपान न करने वालों की तुलना में धूम्रपान करने वालों में कोविड-19 जैसी घातक बीमारी होने की संभावना अधिक थी।

उत्तर प्रदेश के शीर्ष 5 राज्यों में से एक है, जहां तंम्बाकू का सेवन छोटी उम्र (18 व से भी कम आयु) से ही शुरू कर देते है। हाल ही में भारत सरकार ने ऑडियो-विजुअल एड्स, हेल्थ गाइड, सिनेमाघरों मे विज्ञापन और मरीजों की कहानी के माध्यम से तंम्बाकू से सम्बन्धित मृत्यु दर और इससे उत्पन्न होने वाली बीमारियं को रोकने में विभिन्न कदम उठाये है। विश्व तंम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने ऑनलाइन सभा को सम्बोधित किया। इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागि ने आईटीएस-द एजुकेषन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

आईटीएस डेंटल कॉलेज मुरादनगर में

विश्व तंबाकू निषेध दिवस का आयोजन

जन सागर टुडे संवाददाता

मुरादनगर। आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलिज, मुरादनगर, गाजियाबाद मे विष्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। जिसका विषय - तंबाकू छोड़ने के लिए प्रतिबद्ध था।विष्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू0एच0ओ0) ने विष्व तंबाकू निषेध दिवस की शुरूआत की थी, इसके बाद पहली बार 7 अप्रैल 1988 को डब्ल्यू0 एच0 ओ0 की वर्षगांठ पर इसे मनाया गया और फिर हर साल 31 मई को विष्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है।

तंबाकू एक ऐसी चीज है जिसका प्रयोग आप जब शुरू करेगें तो मौत को गले लगायेगें। विष्वस्तर पर डब्ल्यूएचओ के अनुसार तंम्बाकू के उपयोग के कारण हर साल 80 लाख मौत होती है, जो सभी मौतों का 1 प्रतिषत से अधिक है। इनमें से 165000 मौतें बच्चों की हुई है। इस साल जारी की गयी रिपोर्ट से पता चला है कि धूम्रपान न करने वालों की तुलना में धूम्रपान करने वालों में कोविड-19 जैसी

सेवन छोटी उम्र (18 वर्ष से भी कम आयु) से ही शुरू कर देते है। हाल ही में भारत सरकार ने ऑडियों-विजुअल एड्स, हेल्थ गाइड, सिनेमाघरों मे विज्ञापन और मरीजों की कहानी के माध्यम से तंम्बाकू से सम्बन्धित मृत्यू दर और इससे उत्पन्न होने वाली बीमारियों को रोकने में विभिन्न कदम उठाये है।

विष्व तंम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर आई0टी0एस0 - द एजुकेषन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा ने ऑनलाइन सभा को नियंत्रित करने के लिए कुछ कदम उठाना बहुत महत्वपूर्ण है तथा दंत चिकित्सक को इस क्षेत्र में उन्नति के साथ कदम मिलाकर चलना चाहिऐ और आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलेज इसी उद्देष्य की पूर्ति के लिये इस तरह के ज्ञानवर्धक कार्यषालाओं का आयोजन करता रहेगा।

संस्थान में तंबाकू से संक्रमित रोगियों के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित तंम्बाकू समाप्ति क्लीनिक की सुविधा उपलब्ध हैं। यह क्लीनिक तंबाक से संबंधित प्रदेष के गुटखा बेल्ट होने के कारण मरीजों को खतरनाक आदत छोड़ने के लिए परामर्ष की आवष्यकता है। जिससे तंम्बाकू समाप्ति क्लीनिक एक पूर्ण आवष्यकता बन जाये। इस अत्याधुनिक क्लीनिक में इंट्राओरल कैमरे, कार्बन मोनोऑक्साइड मॉनिटर के साथ-साथ निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी की सुविधा के द्वारा रोगियों को सरल और आसान तरीकों से इस आदत को छोड़ने के लिए प्रेरित किया जाता है।

किया गया। संस्थान द्वारा सोषल मीडिया अभियान का आयोजन तंबाकू के उपयोग के हानिकारक और घातक प्रभावों और सेकेंड हैंड स्मोक एक्सपोजर के बारे में जागरूकता पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस कार्यक्रम मे आये प्रसिद्ध प्रवक्ता डॉ0 हंसा कुंडू, राज्य सलाहकार, तंबाकू नियंत्रण केन्द्र, दिल्ली, थी। जिन्होंने तंबाकू नियंत्रण पर विभिन्न व्याख्यान और कार्यषालाएं भी आयोजित की है। उन्होंने इस कार्यक्रम में तंबाकू तथा इससे संबंधित घावों, इसके शुरूआती निदान, रोकथाम और प्रबंधन प्रोटोकॉल के दुष्प्रभावों के विषय में विस्तार से चर्चा की ताकि रोगियों को सर्वोत्तम उपचार और देखभाल प्रदान की जा सके। अंत में डॉ0 हंसा ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए आई0टी0एस0-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया। इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने

विश्व तंबाकू निषेध दिवस का आयोजन

parichowk.com May 31, 2021 parichowk.com

आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलिज, मुरादनगर, गाजियाबाद मे दिनांक 31 मई, 2021 को विष्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। जिसका विषय – तंबाकू छोड़ने के लिए प्रतिबद्ध था।

विष्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू0एच0ओ0) ने विष्व तंबाकू निषेध दिवस की शुरूआत की थी, इसके बाद पहली बार 7 अप्रैल 1988 को डब्ल्यू0एच0ओ0 की वर्षगांठ पर इसे मनाया गया और फिर हर साल 31 मई को विष्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है।

तंबाकू एक ऐसी चीज है जिसका प्रयोग आप जब शुरु करेगंे तो मौत को गले लगायेगें। विष्वस्तर पर डब्ल्यूएचओ के अनुसार तंम्बाकू के उपयोग के कारण हर साल 80 लाख मौत होती है, जो सभी मौतों का 1 प्रतिषत से अधिक है। इनमें से 165000 मौतें बच्चों की हुई है। इस साल जारी की गयी रिपोर्ट से पता चला है कि धूम्रपान न करने वालों की तुलना में धूम्रपान करने वालों में कोविड-19 जैसी घातक बीमारी होने की संभावना अधिक थी।

उत्तर प्रदेष के शीर्ष 5 राज्यों में से एक है जहां तंम्बाकू का सेवन छोटी उम्र (18 वर्ष से भी कम आयु) से ही शुरु कर देते है। हाल ही में भारत सरकार ने आॅडियों-विजुअल एड्स, हेल्थ गाइड, सिनेमाघरों मे विज्ञापन और मरीजों की कहानी के माध्यम से तंम्बाकू से सम्बन्धित मृत्यू दर और इससे उत्पन्न होने वाली बीमारियों को रोकने में विभिन्न कदम उठाये है।

विष्व तंम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर आई0टी0एस0 – द एजुकेषन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा ने आॅनलाइन सभा को सम्बोधित किया और कहा कि तंबाकू चबाने और धूम्रपान करने वाले रोगियों की उच्च मृत्यू दर को देखते हुए तथा इस आदत को नियंत्रित करने के लिए कुछ कदम उठाना बहुत महत्वपूर्ण है तथा दंत चिकित्सक को इस क्षेत्र में उन्नति के साथ कदम मिलाकर चलना चाहिऐ और आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलेज इसी उद्देष्य की पूर्ति के लिये इस तरह के ज्ञानवर्धक कार्यषालाओं का आयोजन करता रहेगा।

संस्थान में तंबाकू से संक्रमित रोगियों के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित तंम्बाकू समाप्ति क्लीनिक की सुविधा उपलब्ध हैं। यह क्लीनिक तंबाकू से संबंधित मृत्यू दर और इसमे होने वाली बीमारियों को कम करने के लिए स्वास्थ्य हस्तक्षेप का एक प्रभावी तरीका प्रदान करता है। उत्तर प्रदेष के गुटखा बेल्ट होने के कारण मरीजों को खतरनाक आदत छोड़ने के लिए परामर्ष की आवष्यकता है। जिससे तंम्बाकू समाप्ति क्लीनिक एक पूर्ण आवष्यकता बन जाये। इस अत्याधुनिक क्लीनिक में इंट्राओरल कैमरे, कार्बन मोनोआॅक्साइड मॉनिटर के साथ-साथ निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी की सुविधा के द्वारा रोगियों को सरल और आसान तरीकों से इस आदत को छोड़ने के लिए प्रेरित किया जाता है।

इस अवसर पर संस्था की डेन्टल ओ0पी0डी0 मे आये मरीजों को तंबाकू के सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। संस्थान द्वारा सोषल मीडिया अभियान का आयोजन तंबाकू के उपयोग के हानिकारक और घातक प्रभावों और सेकेंड हैंड स्मोक एक्सपोजर के बारे में जागरूकता पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस कार्यक्रम मे आये प्रसिद्ध प्रवक्ता डॉ0 हंसा कुंडू, राज्य सलाहकार, तंबाकू नियंत्रण केन्द्र, दिल्ली, थी। जिन्होंने तंबाकू नियंत्रण पर विभिन्न व्याख्यान और कार्यषालाएं भी आयोजित की है। उन्होंने इस कार्यक्रम में तंबाकू तथा इससे संबंधित घावों, इसके शुरूआती निदान, रोकथाम और प्रबंधन प्रोटोकॉल के दुष्प्रभावों के विषय में विस्तार से चर्चा की तांकि रोगियों को सर्वोत्तम उपचार और देखभाल प्रदान की जा सके। अंत में डॉ0 हंसा ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए आई0टी0एस0-द एजुकेषन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आई0टी0एस0 – द एजुकेषन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

NCR गाजियाबाद

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व तंबाकू निषेध दिवस का आयोजन

By **jansagartoday** May 31, 2021 20 0

मुरादनगर :. आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलिज, मुरादनगर मे विष्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। जिसका कार्यक्रम का विषय तंबाकू छोड़ने के लिए प्रतिबद्ध था विष्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू0एच0ओ0) ने विष्व तंबाकू निषेध दिवस की शुरूआत की थी, इसके बाद पहली बार 7 अप्रैल 1988 को डब्ल्यू0एच0ओ0 की वर्षगांठ पर इसे मनाया गया और फिर हर साल 31 मई को विष्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है।

तंबाकू एक ऐसी चीज है जिसका प्रयोग आप जब शुरु करेगंे तो मौत को गले लगायेगें। विष्वस्तर पर डब्ल्यूएचओ के अनुसार तंम्बाकू के उपयोग के कारण हर साल 80 लाख मौत होती है, जो सभी मौतों का 1 प्रतिषत से अधिक है। इनमें से 165000 मौतें बच्चों की हुई है। इस साल जारी की गयी रिपोर्ट से पता चला है कि धूम्रपान न करने वालों की तुलना में धूम्रपान करने वालों में कोविड-19 जैसी घातक बीमारी होने की संभावना अधिक थी।

उत्तर प्रदेष के शीर्ष 5 राज्यों में से एक है जहां तंम्बाकू का सेवन छोटी उम्र (18 वर्ष से भी कम आयु) से ही शुरु कर देते है। हाल ही में भारत सरकार ने आॅडियों-विजुअल एड्स, हेल्थ गाइड, सिनेमाघरों मे विज्ञापन और मरीजों की कहानी के माध्यम से तंम्बाकू से सम्बन्धित मृत्यू दर और इससे उत्पन्न होने वाली बीमारियों को रोकने में विभिन्न कदम उठाये है। विष्व तंम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर आई0टी0एस0 – द एजुकेषन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा ने आॅनलाइन सभा को सम्बोधित किया और कहा कि तंबाकू चबाने और धूम्रपान करने वाले रोगियों की उच्च मृत्यू दर को देखते हुए तथा इस आदत को नियंत्रित करने के लिए कुछ कदम उठाना बहुत महत्वपूर्ण है तथा दंत चिकित्सक को इस क्षेत्र में उन्नति के साथ कदम मिलाकर चलना चाहिऐ और आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलेज इसी उद्देष्य की पूर्ति के लिये इस तरह के ज्ञानवर्धक कार्यषालाओं का आयोजन करता रहेगा।

संस्थान में तंबाकू से संक्रमित रोगियों के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित तंम्बाकू समाप्ति क्लीनिक की सुविधा उपलब्ध हैं। यह क्लीनिक तंबाकू से संबंधित मृत्यू दर और इसमे होने वाली बीमारियों को कम करने के लिए स्वास्थ्य हस्तक्षेप का एक प्रभावी तरीका प्रदान करता है। उत्तर प्रदेष के गुटखा बेल्ट होने के कारण मरीजों को खतरनाक आदत छोड़ने के लिए परामर्ष की आवष्यकता है।

जिससे तंम्बाकू समाप्ति क्लीनिक एक पूर्ण आवष्यकता बन जाये। इस अत्याधुनिक क्लीनिक में इंट्राओरल कैमरे, कार्बन मोनोआॅक्साइड मॉनिटर के साथ-साथ निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी की सुविधा के द्वारा रोगियों को सरल और आसान तरीकों से इस आदत को छोड़ने के लिए प्रेरित किया जाता है।

इस अवसर पर संस्था की डेन्टल ओ0पी0डी0 मे आये मरीजों को तंबाकू के सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। संस्थान द्वारा सोषल मीडिया अभियान का आयोजन तंबाकू के उपयोग के हानिकारक और घातक प्रभावों और सेकेंड हैंड स्मोक एक्सपोजर के बारे में जागरूकता पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस कार्यक्रम मे आये प्रसिद्ध प्रवक्ता डॉ0 हंसा कुंडू, राज्य सलाहकार, तंबाकू नियंत्रण केन्द्र, दिल्ली, थी। जिन्होंने तंबाकू नियंत्रण पर विभिन्न व्याख्यान और कार्यषालाएं भी आयोजित की है। उन्होंने इस कार्यक्रम में तंबाकू तथा इससे संबंधित घावों, इसके शुरूआती निदान, रोकथाम और प्रबंधन प्रोटोकॉल के दुष्प्रभावों के विषय में विस्तार से चर्चा की तांकि रोगियों को सर्वोत्तम उपचार और देखभाल प्रदान की जा सके। अंत में डॉ0 हंसा ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए आई0टी0एस0-द एजुकेषन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।इ

स सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आई0टी0एस0 – द एजुकेषन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।